दिल्ली के गोकलपुरी में सेल्समैन पर हमला, पति को बचाने आई पत्नी पर चाकू से वार

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में गोकलपुरी इलाके में एक सेल्समैन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सेल्समैन को बचाने के लिए जब उसकी पत्नी आगे आई तो बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल अंजू व इनके पति सुनील को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। सुनील की शिकायत पर गोकलपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपितों की तलाश में पुलिस छापामारी कर रही है सुनील अपने परिवार के साथ संजय कॉलोनी में रहता है। इलाके में ही रहने वाले अमन व मोहित से उसकी रंजिश चल रही है। सुनील बाजार से सब्जी खरीदने के लिए जा रहा था। रास्ते में अमन व मोहित ने उसे घेर लिया और पिटाई कर दी। पीड़ित किसी तरह से उनसे छूटकर घर की तरफ भागा वहीं, आरोपियों ने पीछा कर उसे उसके घर के बाहर फिर से पकड़ लिया और मारपीट करने लगे।

बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

● वर्ष: 24 ● अंक: 11 ● नई दिल्ली ● वीरवार 16 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

दवा-सौंदर्य प्रसाधन पर सख्त कानून ला रही मोदी सरकार, जांच-निगरानी होगी कड़ी; मसौदा तैयार

नई दिल्ली । कई राज्यों में दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025 का मसौदा मोदी सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश कर सकती है। देश में चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र सरकार चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के नियमन के साथ-साथ दवा गुणवत्ता परीक्षण और बाजार निगरानी के लिए कानूनी ढंचे को मजबूत करने के लिए एक कानून बना रही है। इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों द्वारा भारतीय दवा निर्माताओं द्वारा गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार-बार की गई शिकायतें और चिंताएं हैं। एक दिन पहले मंगलवार (14 अक्तूबर) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में भारतीय औषधि महानियंत्रक डॉ. राजीव रघुवंशी मसौदा पेश किया गया। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य

मंत्री जेपी नड्डा ने की थी। बैठक के दौरान भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित कानून की रूपरेखा प्रस्तुत की। यह बैठक मध्य प्रदेश में दूषित कफ सिरप के कारण कई बच्चों की मौत के कुछ दिनों बाद हो रही है। सूत्रों ने बताया कि स्वीकृत होने के बाद नया कानून सीडीएससीओ अधिकारियों को घरेलू उपयोग और निर्यात दोनों के लिए भारत में निर्मित दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी सुनिश्चित करने का वैधानिक अधिकार प्रदान करेगा। बताया जा रहा है कि नए कानून के तहत, सीडीएससीओ को पहली बार नकली या घटिया दवाओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए वैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएंगे। इसी के साथ लाइसेंसिंग प्रक्रिया को डिजिटल बनाने, राय-स्तरीय नियामकों के बीच समन्वय बढ़ाने और परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमताओं को उन्नत करने के प्रावधान भी शामिल होंगे। बता दें कि यह नया कानून 1940 के औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम का स्थान लेगा और इसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण से लेकर बाजार वितरण तक, हर स्तर पर जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। गौरतलब है कि नकली और घटिया दवाओं की समस्या अधिकारियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रही है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा दावा: बिहार में मोदी-नीतीश की सरकार पक्की!

नई दिल्ली । बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को राय में चल रहे विकास पर प्रकाश डाला और उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बनाएगा। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि आगामी चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार निश्चित रूप से एक मज़बूत सरकार बनाएंगे। बिहार दौरे के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि मैं आज बिहार आई हूँ और बिहार की धरती को नमन करती हूँ। मैं देख रही हूँ कि बिहार में विकास की गति तेज़ हो रही है और बिहार कई विकास परियोजनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। इस बार मोदी जी और नीतीश कुमार ज़रूर सरकार बनाएंगे। हम इस प्रगति को और तेज़ करना चाहते हैं, इसलिए मैं इसमें योगदान देने बिहार आई हूँ। इस बीच, सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए में समस्याओं की खबरों पर प्रतिक्रिया

देते हुए, बिहार के उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को सीटों के बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि गठबंधन एकजुट है और सेवा पर केंद्रित है। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी प्रशंसा की और कहा कि प्रधानमंत्री ने सेवा की भावना के साथ सबका साथ, सबका विकास के आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाया है। बड़हिया में माँ बाला त्रिपुर सुंदरी मंदिर के दर्शन के दौरान एएनआई से बात करते हुए, सिन्हा ने कहा, यह हमारा अनुभव और सक्षम नेतृत्व है जिसने सेवा की भावना के साथ सबका साथ, सबका विकास के आदर्श वाक्य को आगे बढ़ाया है। कहीं कोई समस्या नहीं है। केवल वे लोग भ्रमित हैं जिन्होंने स्वार्थी गठबंधन या महाठगबंधन बनाया है। एनडीए के भीतर सब कुछ बिल्कुल ठीक है। इससे पहले आज, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने घोषणा की कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, जो 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले हैं।

किशोर ने एएनआई को बताया, पार्टी के सदस्यों ने फैसला किया है कि मुझे पार्टी के अन्य उम्मीदवारों की जीत के लिए काम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूँ। सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में तनाव के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने कहा, बिहार के लोग इसे पहले से ही जानते थे। वे जानते हैं कि हर व्यक्ति लूट के अपने हिस्से के लिए लड़ रहा है। जितनी अधिक सीटें उन्हें मिलेंगी, उतना ही उन्हें बिहार को लूटने का मौका मिलेगा। एनडीए और महागठबंधन एक ही मंच पर हैं। हमें नहीं पता कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ रहा है।

दिल्ली में एमपी-एमएलए कोर्ट का दायरा बढ़ा, सीएम रेखा गुप्ता के प्रपोजल को एलजी वीके सक्सेना ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली में सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई के लिए गठित तीन विशेष अदालतों का दायरा अब बढ़ा दिया गया है। अब ये अदालतें पूर्व सांसदों और पूर्व विधायकों से जुड़े मामलों की भी सुनवाई करेंगी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से भेजे गए इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कदम राजधानी के राउज एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स में मौजूद विशेष अदालतों की कार्यक्षमता को और व्यापक बनाएगा। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। जुलाई 2023 में उपराज्यपाल सक्सेना ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत मामलों की सुनवाई के लिए तीन विशेष अदालतों की स्थापना को मंजूरी दी थी। गौरतलब है कि यह अधिसूचना दिल्ली उच्च न्यायालय के 2020 के निर्देशों के बाद जारी की गई थी, लेकिन पूर्व केजरीवाल सरकार ने इसे अधिसूचित करने में तीन वर्ष से अधिक की देरी की थी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से तैयार यह प्रस्ताव धारा 25 (CPCR अधिनियम) और धारा 28 (POCSO अधिनियम) के अंतर्गत उपरायपाल की मंजूरी के लिए भेजा गया था, जिसे विधि विभाग ने विधिसम्मत करार दिया। इन तीन अदालतों के अतिरिक्त, दिल्ली में पहले से ही 8 विशेष अदालतें बच्चों से संबंधित अपराधों, बाल अधिकारों के उल्लंघन और POCSO अधिनियम के मामलों की सुनवाई के लिए अधिसूचित की जा चुकी हैं। कानून के प्रावधानों के अनुसार POCSO अधिनियम की धारा 28(1) के तहत राय सरकार, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद, प्रत्येक जिले में एक सेशन कोर्ट को विशेष अदालत के रूप में नामित कर सकती है ताकि बच्चों के खिलाफ अपराधों का शीघ्र निपटारा हो सके। वहीं CPCR अधिनियम की धारा 25 के अनुसार, बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन या अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए राय सरकार, उच्च न्यायालय की सहमति से एक या अधिक अदालतों को बाल अदालत घोषित कर सकती है।

वीरेंद्र सचदेवा बोले- पटाखों पर रोक के पीछे वामपंथी साजिश, सनातन प्रेमी सरकार ने दिलाई अनुमति

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली में पटाखों को चलाने पर प्रतिबंध लगाने के पीछे वामपंथी सोच काम कर रही थी। उनके अनुसार वामपंथी सोच के लोगों ने एक साजिश के तहत सर्वोच्च न्यायालय में गलत तरीके से आंकड़े रखकर पटाखों को चलाने पर प्रतिबंध लगवाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में सनातन प्रेमी सरकार है जिसने अदालत में सही पक्ष और सही आंकड़े रखकर दिल्ली में पटाखे चलाने की अनुमति दिलवाई है। वीरेंद्र सचदेवा का यह बयान सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्णय के बाद आया है जिसमें अदालत ने 18-21 अक्टूबर तक रोज तीन घंटे तक ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दे दी है। वीरेन्द्र सचदेवा ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली में दिवाली पर ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति देने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार कहती रही थी की दिवाली की एक रात के पटाखे सर्दी में प्रदूषण बढ़ने के दोषी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के कई अन्य कारण होते हैं और पिछली सरकार जानबूझकर पटाखों को ही प्रदूषण का दोष देती रही और इस तरह उसने पटाखों पर प्रतिबंध लगवाया। भाजपा नेता ने कहा कि दिल्ली वासियों को इस बार दिवाली पर पटाखे चलाने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि इस बार दिल्ली की जनता ने अपने मताधिकार का बिल्कुल सही उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और गोपाल राय हिन्दू विरोधी लेफ्ट राजनीति करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार जानबूझकर ऐसे आंकड़े रखती रही जिनसे प्रभावित होकर सर्वोच्च न्यायालय ने पटाखे जलाने पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि अदालत में सही आंकड़े रखने के कारण हिंदुओं को लंबे समय के बाद दिवाली की रात पटाखे चलाने की अनुमति मिल पाई है। दिल्ली सरकार में संस्कृति कार्य मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि सरकार बदलते ही दिल्ली में हिंदुओं के त्योहारों पर प्रतिबंध लगना बंद हो गया। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जय श्री राम लिखकर स्वागत किया और कहा कि अदालत में सही जानकारी और आंकड़े रखने के बाद यह निर्णय आया है।

पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सरकार का दिवाली तोहफा, वित्तीय सहायता में 100 फीसदी की बढ़ोतरी की

नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाने वाली योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी वृद्धि करने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद आश्रितों को शिक्षा, विवाह और निर्धनता अनुदान के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि दोगुनी हो गई है। संशोधित दरें आगामी एक नवम्बर से लागू होंगी।

निर्धनता अनुदान

बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी इस के तहत निर्धनता अनुदान की राशि 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन दी जाएगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं।

शिक्षा अनुदान

शिक्षा अनुदान की श्रेणी में दो आश्रित बच्चों (कक्षा 1 से स्नातक तक) या दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रही विधवाओं के लिए शिक्षा अनुदान एक हजार रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति प्रति माह कर दिया गया है।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

विवाह अनुदान

सरकार की ओर से विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। इसे 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी कर दिया गया है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह इस आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष लगभग 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड से वहन किया जाएगा। ये सभी योजनाएं रक्षा मंत्री पूर्व सैनिक कल्याण कोष के तहत संचालित हैं, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड का एक उप-कोष है।

हरे माधव वर्सी पर्व 2025- आस्था की धरा पर अवतरित दिव्यता का अनुभव

वैश्विक स्तरपर आध्यात्मिकता रूपी मिठास मैंने भारत के मध्यप्रदेश की पावन धरा कटनी की शांत और पावन भूमि पर 9 और 10 अक्टूबर 2025 को ऐसा दृश्य उपस्थित हुआ जिसे शब्दों में बाँध पाना अपने आप में एक आध्यात्मिक साधना के समान है। हरे माधव सत्संग के वर्सी महोत्सव ने न केवल शहर बल्कि देश और विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को एक सूत्र में पिरो दिया।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र व मेरे साथी मनोहर सुगानी मतना ने वहां की ग्राउंड रिपोर्टिंग की तो हमें इस दौरान श्रद्धा,सेवा,भक्ति और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। हमने स्वयं इन दो दिवसीय सत्संग के दौरान ग्राउंड रिपोर्टिंग की,और यह अनुभव किसी साधारण धार्मिकआयोजन से कहीं अधिक एक आध्यात्मिक क्रांति जैसा था। साथियों बात अगर हम भक्तों के अभूतपूर्व उत्साह की करें तो, हरे माधव दयाल,जिनकी करुणा और दया की गाथाएँ भक्तों के मुख से सहज ही फूट पड़ती है, उनके नाम का प्रभाव इस आयोजन में स्पष्ट रूप से झलकता दिखा।हर ओर हरे माधव का उच्चारण मानो वातावरण को पवित्र कर रहा था। भक्तों की आँखों में जो चमक थी, वह किसी बाहरी चमत्कार से नहीं बल्कि अंतर्मन में अनुभव की गई शांति और दयालुता की झिलमिल थी।इस सत्संग ने यह सिद्ध कर दियाकिआध्यात्मिकता तब ही सशक्त होती है जब उसमें मानवता की सुगंध हो।कटनी की इस पवित्र भूमि पर जैसे ही 9 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय हुआ, हरे माधव दयाल के प्रति भक्ति की तरंगें पूरे शहर में फैल गईं, मानो बच्चे, महिलाएँ, बुजुर्ग और युवा सबकी एक ही चाह थी,दयाल के दर्शन और सत्संग का श्रवण।ऐसा लग रहा था मानो पूरा नगर ही भक्ति में रमा हुआ हो। यह दृश्य केवल आँखों से नहीं, आत्मा से देखा जा सकता था। साथियों बात अगर हम देश- विदेश से उमड़ा श्रद्धा का सागर, वैश्विक स्तरपर आध्यात्मिक एकता की करें तो इस वर्सी महोत्सव की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें भारत के अनेक राज्यों से अनुमानतः हजारों लाखों भक्तों ने इस दो दिवसीय सत्संग का लाभउठाया। भक्तों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि हरे माधव दयाल की शिक्षाएँ सीमाओं से परे जाकर मानवता को जोड़ रही है।जब मैंने ग्राउंड पर भक्तों से बात की, तो उन्होंने कहाहम यहाँ किसी धर्म के अनुयायी बनकर नहीं, बल्कि प्रेम और शांति की तलाश में आए हैं। यहाँ जो अनुभव मिलता है, वह किसी भी किताब में नहीं।इससे यह सिद्ध हुआ कि आज के वैश्विक युग में भी सच्ची आध्यात्मिकता वह है जो सभी जाति,भाषा और सीमाओं को मिटाकर मनुष्यता के सूत्र में जोड़ती है। साथियों बात अगर हम सत्संग के पहले दिन 9 अक्टूबर 2025 अमृत वर्षा के प्रारंभ होने की करें तोपहले दिन का आरंभ मंगल वंदना और मेरे सतगुरु इस जग तेरी आए, के भक्ति स्वर से हुआ। वातावरण में घुली शांति,भजन के मधुर सुर और आरती की लौ ने ऐसा माहौल रचा कि मानो पूरा ब्रह्मांड उसी क्षण स्थिर हो गया हो।मैंने मोबाइल कैमरे की लेंस से जब भक्तों के चेहरों को कैद किया, तो हर चेहरे पर संतोष, श्रद्धा और आनंद की अनोखी अभिव्यक्ति थी। पहले दिन का मुख्य आकर्षण बाबा ईश्वर शाह साहिब जी कादयाल संदेशकों अमृत वर्षा था,जिसमें करुणा, क्षमा और आत्मचिंतन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सत्संग पंडाल में गूँजती मधुर वाणी ने हजारों मनों को छू लिया। ऐसा लगा मानो हृदय के भीतर छिपी सभी थकान, चिंता और अशांति उसी क्षण विलीन हो गई हो। साथियों बात अगर हम सत्संग के दूसरे व अंतिम दिन 10 अक्टूबर 2025 की करें तो मानो आकाश से उतरती दिव्यता पृथ्वी को नमन कर रही हो,सुबह 10 बजे से ही भक्तों का सत्संग स्थल पर पहुँचना शुरू हो गया था,यह सामूहिक श्रद्धा और अनुशासन का अनुपम उदाहरण था। बच्चे अपने हाथों में फूल और झंडे लिए, युवा सेवा में तत्पर, बुजुर्गों के चेहरे पर आत्मिक आनंद यह सब देखकर लगा कि जब आस्था और अनुशासन एक साथ चलते हैं तो समाज में कितनी सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है।बाबाजी का आगमन विशाल जुलूस के साथ हुआ,एलईडी स्क्रीन पर बाबा माधव शाह बाबा नारायण शाह जी की अनेक महिमाओं लीलाओं का वर्णन साक्षात रूप से भक्तों को दिखाया गया जिससे भक्तों के अनेक प्रश्नों की जिज्ञासा दूर हुई उनके पश्चात बाबा जी ने स्वयं अपने मुख से सत्संग की अमृत वर्षा की जिससे भक्तजन भाव-विभोर हो उठे। साथियों बात अगर हम सेवा के विविध रूप,व्यवस्थापन का अनुकरणीय उदाहरण की करें तो,यह भी स्पष्ट है इस आयोजन का सबसे प्रेरणादायक पहलू था,इसकी उत्कृष्ट सेवा व्यवस्था। सत्संग परिसर में व्यवस्थापकों और स्वयंसेवकों ने जिस निष्ठा से सेवा दी, वह अपने आप में उदाहरण है, जिसकी मैं पूरी ग्राउंड रिपोर्टिंग कर मोबाइल कैमरे में सेव किया।पंक्ति सेवा- विशाल पंडालों में बैठने, धूप से बचाव, वेंटिलेशन, और व्यवस्था इतनी सुचारू थी कि अनुमानतः हजारों लाखों की भीड़ होने के बावजूद कोई अव्यवस्था नहीं दिखी।चरण पादुका सेवा- श्रद्धालुओं के लिए चरण पादुका स्थल पर विनम्र भाव से सेवा करते स्वयंसेवक विनम्रता की प्रतिमूर्ति प्रतीत हो रहे थे।जल सेवा-ठंडा,शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए अनेक जल स्थल लगाए गए थे, जहाँ लगातार सेवा चल रही थी।खोया-पाया सेवा इतने बड़े आयोजन में कोई वस्तु खो जाए,तो तुरंत सूचना मिल जाए,भंडारा वाले लोग सेवा तथा बर्तन धोने की सेवा में मैंने देखा कि बड़े-बड़े अमीरों उच्च स्तरीय लोग, भक्तों द्वारा ग्रहण किए हुए भोजन की थालियों को मांजकर फिर पानी में फिर धो रहे थे जो मुझे सबसे अनमोल सेवा लगी उनकी यह सेवा रेखांकित करने योग्य है।पुलिस विभाग और सुरक्षा व्यवस्था-कटनी पुलिस और सुरक्षा दल ने अनुकरणीय कार्य किया। भीड़ नियंत्रण से लेकर ट्रैफिक प्रबंधन तक हर पहलू पर बारीकी से ध्यान दिया गया।मेडिकल सेवा-24 घंटे संचालित मेडिकल कैंप में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ हर समय मौजूद रहे। किसी भी आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस व्यवस्था भी तत्पर थी।सफाई में एक झाड़ू माँ के नाम,पर्यावरणीय पहल- इस आयोजन की विशेषता रही एक झाड़ू माँ के नाम पहल, जिसके अंतर्गत प्रत्येक भक्त ने एक पौधा रोपने का संकल्प लिया। आध्यात्मिकता को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का यह संदेश अत्यंत प्रेरणादायक था। विशेष रूप से व्यवस्थापकों सेवादारियों की सेवाएं अभूतपूर्व अनुशासन के रूप में दिखाई दी सत्संग स्थल के बाजू में हेड ऑफिस बनी हुई थी जहां से व्यवस्थापकों की हर सेवा पर नजर थी ताकि भक्तों को कोई तकलीफ ना हो,इन सभी व्यवस्थाओं को देखकर लगा कि जब सेवा भावना और संगठन शक्ति साथ मिलते हैं,तो कोई भी आयोजन/चुनौती अनुशासित और प्रेरणादायक बन सकता है। साथियों बात अगर हम व्यवस्था में अनुशासन और तकनीक का सुंदर संगम की करें तो,मैंने ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान मैंने पाया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि व्यवस्थापन का भी उत्कृष्ट उदाहरण था।आयोजकों ने आधुनिक तकनीक का भी प्रयोग किया था, सीसीटीवी निगरानी,एलईडी लाइव प्रसारण ताकि दूर बैठे भक्तों को भी स्पष्ट नजर आए,जैसी सुविधाएँ मौजूद थीं। इससे यह महोत्सव केवल एक भौतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि डिजिटल आध्यात्मिकता का एक युगीन उदाहरण बन गया। साथियों बात अगर हम भक्तों के भाव,अनुभवों की झलक की करें तो,जब मैंने कुछ श्रद्धालुओं से बातचीत की, तो हर किसी की आवाज में भक्ति और भावनाओं की गहराई झलक रही थी।दमोह निवासी एक महिला ने कहा,हम हर वर्ष आते है, लेकिन इस बार जो दिव्यता और शांति महसूस हुई, वह पहले कभी नहीं हुई। यह सचमुच अमृत वर्षा थी। कोल्हापुर से आए एक युवा भक्त ने कहा,मैं तकनीकी क्षेत्र से हूँ, पर यहाँ आकर समझा कि असली 'कनेक्शन'ईश्वर से जुड़ना है, न कि इंटरनेट से।इन सरल शब्दों में वह आध्यात्मिक सत्य छिपा है जो जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन और सकारात्मकता का संदेश देता है।आध्यात्मिकता और समाजसेवा का संगम-हरे माधव सत्संग केवल उपदेश देने वाला मंच नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत सामाजिक आंदोलन भी है। इस महोत्सव के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में अनेक जनसेवा अभियानों कि हो प्रेरणा मिली।हरे माधव परमार्थ सेवा समिति कटनी द्वारा गरीब परिवारों के लिए, स्वास्थ्य सेवा बाबा माधव शाह चिकित्सालय मासिक अन्नदान वितरण साहित्य अनेकों योजनाओं का संचालन किया जाता है।यह देखकर लगा कि सच्ची भक्ति वही है जो समाज में परिवर्तन का माध्यम बने। आध्यात्मिकता तभी सार्थक है। जब वह मानवता के कष्टों में उतरकर समाज को उन्नति की दिशा में ले जाए। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से हरेमाधव सत्संग की प्रासंगिकता की करें तो,विश्व स्तर पर आज जब तनाव, हिंसा, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा का दौर चल रहा है। तब हरे माधव दयाल का संदेश,दयालुता ही मानवता का आधार है।अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

सम्पादकीय...

भारत-कनाडा

कड़वाहट भरे संबंधों के दौर से निकलकर अब भारत-कनाडा के रिश्तों ने गर्मजोशी के साथ नई रफ्तार पकड़ ली है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बैठक कर संबंधों में नई जान फूंक दी है। भारत और कनाडा के संबंध पिछले कुछ महीनों से जस्टिन ट्रूडो शासन की छाया से निकलकर सुधर रहे हैं। भारत-कनाडा के संबंध तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों के बाद चरमरा गए थे जिनमें वर्ष 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े मामले में भारत का संबंध होने की संभावना जताई गई थी। पिछले साल अक्तूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को तब वापस बुला लिया था जब ओटावा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने कनाडा के भी इतने ही राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। कनाडा खालिस्तानी तत्वों का गढ़ कैसे बना। इसके पीछे भी वोट बैंक की राजनीति एक बड़ा कारण बना। सिख समुदाय जो कनाडा की आबादी का 2 प्रतिशत से भी ज्यादा है और उनकी संख्या 8 लाख के लगभग है। जो राजनीतिक परिणामों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, खासकर टोरंटो और वैंकूवर जैसे इलाके में। ट्रूडो की सरकार को खालिस्तान समर्थक नेता जगमीत सिंह की पार्टी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन भी हासिल था। उनकी सरकार बैसाखी पर चल रही थी। यह जानते हुए भी ट्रूडो ने खालिस्तानियों को शरण देना जारी रखा कि वे समग्र रूप से सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। भारत के लगातार आग्रह के बावजूद ट्रूडो सरकार ने अपने कार्यकाल में खालिस्तानी तत्वों और गैंगस्टरों के गठजोड़ के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया। इसके परिणामस्वरूप खालिस्तानी तत्वों ने खुलेआम हिन्दुओं के मंदिरों पर हमले, भारतीय दूतावास के बाहर तिरंगे जलाने और हिन्दू समुदाय को धमकाने का सिलसिला शुरू कर दिया। हालात यहां तक पहुंच गए कि कनाडा में रहने वाले हिन्दू तो आतंकित हुए ही, साथ ही उदारवादी दृष्टिकोण रखने वाले कनाडा के सिखों में भी भय पैदा हो गया। अंततः ट्रूडो सरकार का पतन हो गया। उनकी जगह नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की सरकार के सत्ता में आने के बाद स्थितियों में बदलाव आया। खालिस्तानी तत्वों पर एक्शन शुरू किया गया। कुछ गैंगस्टर पकड़े गए। अब कनाडा भारत से रिश्तों में सुधार की लगातार कवायद में लगा हुआ है। यह एक नया भारत है जो न केवल अपनी कूटनीति से मजबूत है बल्कि रणनीति से दुनिया को भी सबक सिखा रहा है। हाल ही में कनाडा के वित्त विभाग ने एक रिपोर्ट जारी कर यह स्वीकार किया कि खालिस्तानी हिंसक चरमपंथी समूह देश के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं। जून 2025 में कनाडा की खुफिया एजेंसी ने पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की कि खालिस्तानी तत्व भारत में हिंसक वारदातों की योजना बनाने, फंड जुटाने और उसे बढ़ावा देने के लिए कनाडा की धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फैडरेशन जैसे समूहों का नाम लिया गया, जिन्हें कनाडा के आपराधिक कोड के तहत सूचीबद्ध आतंकवादी संगठन माना जाता है। पिछले महीने कनाडा ने भारत के खिलाफ लगातार जहर उगलने वाले और धमकियां देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के बॉडीगार्ड इन्द्रजीत सिंह गोसाल और ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े भारतीय मूल के सिखों को भी गिरफ्तार किया। मार्क कार्नी सरकार ने सत्ता में आते ही दोनों देशों में उच्चायुक्तों को बहाल करने और व्यापार वार्ता शुरू करने पर सहमति जता दी थी। कनाडा ने खालिस्तानियों से मोहभंग होने के संकेत उस समय दिए जब कनाडा की फैडरल कोर्ट ने कम से कम 30 लोगों को कनाडा में शरण देने से इंकार कर दिया, जिनका संबंध खालिस्तानियों से था। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर भारत-कनाडा की साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए दोनों नेताओं ने आवश्यक तंत्रों को 'पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित' करने पर चर्चा की। इसके साथ ही एक महत्वाकांक्षी सहयोग रोडमैप पर सहमति जताई। भारत-कनाडा की ओर से जारी किए गए संयुक्त बयान में विदेश मंत्री एस.जयशंकर और अनीता आनंद ने सहयोग करने, सूचना और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी जलवायु महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके तहत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, भारी उद्योगों का कार्बन-मुक्तिकरण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, रसायनों के सुदृढ़ प्रबंधन का समर्थन और सतत् उपभोग सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा दोनों देशों ने एआई और डिजिटल अवसंरचना सहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नए आयाम खोलने के लिए सहयोग बढ़ाने पर हामी भरी है। संयुक्त बयान में कहा गया है, लोगों के बीच संबंध, आपसी समझ को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक सहयोग के निर्माण के लिए दोनों पक्ष शिक्षा, पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यावसायिक गतिशीलता में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। उभरती प्रौद्योगिकियों (जैसे एआई, साइबर सुरक्षा और फिनटेक) में अनुसंधान साझेदारी पर जोर दिया जाएगा और विदेशी परिसरों के माध्यम से भारत में कनाडाई शैक्षणिक उपस्थिति का विस्तार किया जाएगा। इसमें कनाडा-भारत शैक्षणिक नेटवर्क और संस्थागत संबंधों को विस्तारित करने के लिए उच्च शिक्षा पर संयुक्त कार्य समूह को पुनर्जीवित करना भी शामिल है। कनाडा के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सख्त रवैये के बाद कनाडा के रुख में काफी परिवर्तन आया है और उसने भारत के हितों की चिंता करनी शुरू की है। आज के विश्व में परस्पर सहयोग की बहुत जरूरत है। यही कारण है कि कनाडा का झुकाव भारत की तरफ हुआ है। कनाडा में भारतीय समुदाय वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर प्रगति में अपना योगदान दे रहा है।

सलिए उनके हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी साजिशों के लिए नहीं होने देगा और संबंध फिर से सामान्य होकर पटरी पर दौड़ने लगेंगे।

इस्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग ।

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक सांस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी है या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक युद्ध या एक नीति की देन नहीं है, यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है।

अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की कूटनीति की जीत से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी।

वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए, गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए। हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

बिहार में कौन अर्श या फर्श पर होगा?

जिस प्रकार से प्रशांत किशोर ने एक वार्तालाप में कहा था कि इस चुनाव में उनकी पार्टी या तो अर्श पर होगी, या फर्श पर। पिछले वर्ष जब जन सुराज पार्टी को उन्होंने लॉन्च किया था तो तब से ही इसे उसके विपक्षी इसे स्टार्टअप मान कर चल रहे हैं। पूर्व भी तेलुगु देशम पार्टी (1983) के टी.एन. रामाराव, असम गण परिषद (1985) के प्रफुल्ल महंत और आम आदमी पार्टी (2012) के अरविंद केजरीवाल ने भी स्वयं को इसी प्रकार से लॉन्च किया था। केजरीवाल और महंत, जो कि नया राजनीतिक परिधान, परिवेश और मन मोहक नक्शा ले कर आए थे, कुछ दिन राजनीति कर साइड लाइन हो गए। प्रशांत की तुलना भी केजरीवाल से की जा रही है कि कहीं वह भी आगे जा कर फटा बांस न साबित हों। वैसे इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी शिक्षा और काबलियत से किसी को कोई इंकार नहीं, मगर बिहार में वह कितनी सीटें लाएंगे, इस बारे में बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। किशोर ने सिटिजन्स फॉर अकाउंटेबल गवर्नेंस (सीएजी) नाम से एक ग्रुप बनाया, जिसने 2014 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को ऐतिहासिक जीत दिलाने में मदद की। उन्होंने स्कूली पढ़ाई बक्सर में रहकर की, जहां उनके पिताजी की पोस्टिंग थी। जहां भाजपा ने अपने 71 उम्मीदवारों की प्रथम सूची जारी कर दी है, प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में कुल 65 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से 19 सुरक्षित सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। जन सुराज ने सामाजिक समीकरण साधते हुए अति पिछड़ा वर्ग पर विशेष ध्यान दिया है। प्रशांत किशोर ने हाल ही में कई सुलझे हुए साक्षात्कार दिए हैं जिनमें उन्होंने अपनी राजनीतिक रणनीति और जन सुराज पार्टी के बारे में बात की है। उन्होंने दावा किया है कि जन सुराज ने बिहार की राजनीति में एक नए विकल्प के रूप में उभर कर पारंपरिक दलों की राजनीतिक बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया है। उन्होंने तेजस्वी यादव के हर घर एक सरकारी नौकरी के वादे को खोखला चुनावी नारा बताया और कहा कि यह असंभव है, क्योंकि बिहार में कुल 26.5 लाख सरकारी नौकरियां ही हैं। उन्होंने जन सुराज पार्टी की रणनीति के बारे में बताते हुए कहा कि वे चरित्र, योग्यता और समाज में योगदान के आधार पर उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जाति, धन या राजनीतिक प्रभाव के बजाय चरित्र, योग्यता और समाज में योगदान के आधार पर उम्मीदवारों का चयन कर रही है। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि जन सुराज ने बिहार की राजनीति में एक नए विकल्प के रूप में उभर कर पारंपरिक दलों की राजनीतिक बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया है। ठीक इसी प्रकार से छात्र संघर्ष से निकली असम गण परिषद और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी दावा किया था, मगर रास्ते से भटकने पर भारत के परिपक्व वोटर ने इन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया था। वैसे यह तो कोई भी नहीं मान रहा कि प्रशांत सत्ता पर उस प्रकार से आधिपत्य जमा लेंगे जैसे केजरीवाल ने किया था, मगर हां उलट-फेर करने और किंग मेकर के किरदार निभाने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। वह स्वयं ही कहीं कह चुके हैं कि या तो 6 से कम या 160 से ऊपर! जन सुराज पार्टी सभी राजनीतिक दलों के वोट बैंक में सेंध लगाएगी, यदि प्रशांत का दौर आम आदमी पार्टी से पहले का होता तो उन्हें वैसा ही बंपर वोट मिलता, जैसा केजरीवाल को, जिनको बड़ी उम्मीदों से दिल्ली की जनता ने 70 में से 67 सीटें प्रदान कर दी थीं। मगर बाद में जो कुछ हुआ तो वह सब जानते हैं। हालांकि प्रशांत और अरविंद में कई विभिन्नताएं हैं, जिनके कारण जन सुराज को बिहार में एक अच्छा स्थान प्राप्त हो सकता है। प्रशांत के सामने एक बड़ी समस्या यह होगी कि वह उस प्रकार से एक ईमानदार नेता की तरह जनता का विश्वास नहीं जीत सकते जिस प्रकार से केजरीवाल ने जीता था। प्रशांत किशोर ने संकेत दिया कि वे तेजस्वी यादव के निर्वाचन क्षेत्र राघोपुर से चुनाव लड़ सकते हैं।

सोना : सांस्कृतिक पहचान से निवेश की वस्तु

देश के हर शहर में 10 ग्राम सोना आज 1,10,000 रुपये के आसपास बिक रहा है, जो मध्य और निम्न मध्यवर्ग के लाखों परिवारों के लिए एक झटका है। पीढ़ी दर पीढ़ी पारिवारिक सुरक्षा से जुड़ा जो सोना कभी हमारी संस्कृति का हिस्सा था, वह आज बाजार के लिए एक वस्तु तथा कारोबार का औजार है। सोने में आने वाली तेजी अनेक लोगों को अमीर बनाती है, तो असंख्य लोगों के सपने तोड़ देती है। 2015 में एक लड़की का परिवार शादी में सोने की खरीद 25,000 से 30,000 प्रति 10 ग्राम पर कर सकता था, वहीं अब एक लड़की वाले को सोने की खरीद उससे चार गुना अधिक दाम पर करनी पड़ रही है, जिन मध्यवर्गीय परिवारों ने शादी या उत्सवों में सोने की खरीद की योजना बनायी थी, अब सोना खरीदना उनके बूते से बाहर है। आयोजनों में सोने के गहने देने के चलन से देने वालों के सामाजिक स्तर का पता चलता था और लेने वालों की आर्थिक सुरक्षा की गारंटी होती थी, अब उस सामाजिक चलन को बनाये रखना मुश्किल होता जा रहा है। ठीक इसी समय शेयर बाजारों और ग्लोबल कस्टोडियन बैंकों के लॉकर में रखे गये सोने को सबसे कीमती वित्तीय संपत्ति आंका जा रहा है। फंड्स और संस्थागत इंस्ट्रूमेंट्स का कारोबार करने वाले एक्सचेंज अब सोने के खनन की तुलना में बढ़त रहे हैं। भारत में ही पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड ईटीएफ के तहत जमा धनराशि 60,000 से 65,000 करोड़ के बीच हो गयी है, जो 40-50 टन सोने के बराबर है। इस बीच सॉवरेन गोल्ड बांड और डिजिटल पेमेंट गोल्ड प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते चलन से भी सोने में निवेश बढ़ा है। सोने का जो बाजार कभी कारीगरों, आभूषण विक्रेताओं और परिवारों तक सीमित था, वह आज निवेशकों और बड़े खिलाड़ियों तक पहुंच गया है। सोने में यह रूपांतरण अचानक नहीं हुआ है। यह घरेलू और वैश्विक ताकतों के दशकों के समायोजन का नतीजा है, जो आधुनिक पोर्टफोलियो में सोने की कीमत और उसकी भूमिका को नये सिरे से आकार दे रहे हैं। घरेलू स्तर पर सोने का भाव बढ़ने के बावजूद आभूषण निर्माताओं और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। देश में मोटे तौर पर सोने की सालाना मांग 700-800 टन के आसपास बरकरार है, जिनमें से 70-75 फीसदी मांग घरेलू उपभोग से जुड़ी है। सोने की कीमत में आयी तेजी का दूसरा कारण रुपया है। डॉलर के मुकाबले रुपये में आने वाली हर गिरावट से सोना महंगा होता है, क्योंकि सोने के कारोबार में डॉलर का वर्चस्व है। कुछ साल पहले तक एक डॉलर 60-70 रुपये के बराबर था, जो आज 87 रुपये के आसपास पहुंच चुका है। इससे भी सोने में तेजी आई है। अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर भी दुनियाभर के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की तरह सोने की खरीद बढ़ाते जा रहे हैं, जो देश कभी सोने को निशानी या स्मृतिचिह्न से ज्यादा महत्व नहीं देते थे, वे वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में केंद्रीय बैंकों में सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। सोने की आपूर्ति में भी कमी नहीं दिख रही। सोने की खदानों में उत्पादन हालांकि सामान्य स्थितियों में भी एक-दो प्रतिशत घट जाता है, क्योंकि नयी खदानों को खोज करने, खनन की अनुमति मिलने आदि में समय लगता है, लेकिन हाल के वर्षों में 5,000 टन सोने की वैश्विक मांग की आपूर्ति सहजता से होती रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार घाटी ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार घाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08862)

राम गुलाम राय पीजी कॉलेज में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह संपन्न

भटनी देवरिया।

राम गुलाम राय पीजी कॉलेज, बनकटाशिव सह्लहपुर देवरिया में बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., एम.ए., एम.कॉम. एवं बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं एवं छात्राध्यापकों का भव्य स्वागत समारोह आज सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. राजेश्वर शाही ने की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉ संदीप कुमार सोनकर, डॉ कविता मिश्रा, डॉ. राहुल मिश्र, डॉ राधारमण मिश्र, डॉ चंद्रशेखर त्रिपाठी, डॉ. भुनेश्वर शरण मिश्र, डॉ अंजलि तिवारी, डॉ निशु मिश्रा एवं डॉ अब्दुल हामिद अंसारी उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय परिवार में स्वागत किया।बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह ने बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में तृतीय व पंचम सेमेस्टर के छात्र अनुज कुमार यादव, गिरीश सिंह, अभिषेक गौतम, सानिया खान, निकहत शेख, गोविंद शाह, आशीष तथा बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने विशेष योगदान दिया। बी.ए. वर्ग की छात्राएँ शिवांगिनी, अंजलि तिवारी, पायल, रोशनी, अस्तुति, तनु यादव और आँचल ने भी सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम में दीशा पांडे ने शास्त्रीय नृत्य, पवन ने गीत प्रस्तुति, तथा बेबी तिवारी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. की छात्रा वृंदा कुमारी ने किया। अंत में प्राचार्य डॉ. राजेश्वर शाही ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजा देवी महिला पीजी कॉलेज में नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित

भटनी देवरिया।

राजा देवी महिला पीजी कॉलेज सह्लहपुर, भटनी में नवप्रवेशित छात्राओं के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक उमाशंकर राय और प्राचार्य डॉ अमित कुमार राय ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अंकिता और निधि पांडेय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि वर्षा ने स्वागत गीत से सभी का मन मोह लिया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में रंग भर दिया। रितिका कुशवाहा ने गणेश वंदना, रिनिका, सोनम, शिफाली मादव और शिल्पी ने पारंपरिक छठ पर्व पर झांकी प्रस्तुत की। नेहा, चांदनी और नितिका ने भक्ति गीत गाया, वहीं शबनम खातून, निकी यादव और रिमझीम ने नृत्य प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरीं।अनन्या मादव ने ग़ज़ल प्रस्तुत की, जबकि शिवानी ठाकुर, अंजू और खुशी ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर नंदकिशोर तिवारी, डॉ अनुज पांडेय और डॉ महेश मादव ने छात्राओं को आशीर्वाद दिया। प्राचार्य डॉ अमित कुमार राय ने सभी छात्राओं को उनके प्रयासों की सराहना करते हुए जीवन में संघर्ष, अनुशासन और परिश्रम के साथ सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम का संचालन कु. दिव्या और अंकिता विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ संतोष प्रजापति, डॉ पुनीता मिश्रा, श्रवण पांडेय, रितेश श्रीवास्तव, डांसत्येन्द्र पाल, डॉ राजेश, कु. दिव्या, सतीश त्रिपाठी, अधीक्षक सत्यप्रकाश उपाध्याय, मनोज राय, सभाजीत यादव और विकास साह सहित सैकड़ों छात्राएँ उपस्थित रहीं।

खाद्य पदार्थो के लिए गए नमूने, जाँच के उपरांत होगी कार्यवाही

कुशीनगर।

दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज व छठ पर्व जैसे प्रमुख त्यौहारों के दृष्टिगत आमजनमानस को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद कुशीनगर में विशेष खाद्य जांच अभियान संचालित किया गया। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार राय के नेतृत्व में 8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक चलाए गए इस अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न बाजारों – पडरौना, हाटा, खड्डा, कसया, तमकुहीराज सहित अन्य क्षेत्रों से मिठाई, दूध, पनीर, खोया, घी, नमकीन व तेल आदि खाद्य पदार्थों के कुल 21 नमूने एकत्र किए गए। इन सभी नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर दोषपूर्ण या मिलावटी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही अभियान के दौरान

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दुकानदारों, मिठाई निर्माताओं एवं खाद्य व्यवसायियों को स्वच्छता, हाइजीन तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया। जनमानस को भी जागरूक करते हुए अपील की गई कि वे खाद्य सामग्री क्रय करते समय उसकी गुणवत्ता, पैकिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि अवश्य देखें। यह अभियान आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए निरंतर जारी रहेगा ताकि जनपद में सुरक्षित खाद्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

पूर्व की भांति आगामी त्योहारों को अधिकारी गण आपसी समन्वय से कराएं संपन्न - डीएम

कुशीनगर।

आगामी दीपावली,भैयादूज, चित्र गुप्त जयंती, तथा छठ पर्व सहित अन्य त्योहारों के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों, विभिन्न सम्प्रदाय के धर्मगुरूओं एवं जनपद के प्रतिष्ठित /संभ्रांत नागरिकों के साथ सेंटर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा की अब तक हम लोगों ने सभी त्योहारों को शांति पूर्वक मनाए है इसी प्रकार अधिकारी गण आपसी समन्वय से आगामी त्यौहार को भी संपन्न कराएंगे ऐसा विश्वास है। उन्होंने आगामी त्योहारों के दृष्टिगत जनपदवासियों को शुभकामनाएं भी दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि अच्छे माहौल में सभी को सुरक्षा के साथ अन्य चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है , फिर भी अच्छे माहौल में अभी तक सभी त्यौहार संपन्न हुए।

उन्होंने आश्वस्त भी किया कि आने वाला त्यौहार भी सकुशल संपन्न होंगे। जिलाधिकारी ने सभी से अनुरोध किया कि यदि कहीं कोई समस्याएं या दिक्कत हो तो समय से उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं ताकि समय रहते समस्या का निदान कराया जा सके। उन्होंने सुरक्षित माहौल में सभी त्योहारों को संपन्न कराने हेतु सभी से सहयोग की अपेक्षा भी की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उक्त त्योहारों दृष्टिगत पुलिस और प्रशासन की ओर से समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर लिया गया है। उक्त त्योहारों के लिए पुलिस टीम की ड्यूटी भी लगा दी गई है। उन्होंने सभी से अपेक्षा की है कि सुरक्षित वातावरण में खुशियों के साथ अपने त्योहारों को मनाए। सोशल मीडिया पर विशेष रूप से नजर रखी जाये। अनावश्यक एवं भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि शासन के दिशा निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन करना होगा। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में प्रबुद्धजनों, धर्मगुरूओं ने जिले में अनेकता में एकता, अमन-चैन एवं आपसी सौहार्द कायम रखने पर अपने- अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने एक स्वर से आश्वासन दिया कि वे शांति व्यवस्था बनाये रखने में प्रशासन का पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील भी की कि जनपद में प्यार और भाईचारा बनाये रखें। उन्होंने प्रशासन को आश्वस्त किया कि जिले में अमन-चैन सदैव बरकरार रहेगा। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा ,समस्त उपजिलाधिकारी गण, समस्त सीओ, थानाध्यक्ष, सभी ईओ, सहित सभी संबंधित अधिकारी गण व विभिन्न संप्रदाय के धर्मगुरु मौजूद रहे।

अधिकारियों एवं प्रबुद्ध जनों के साथ पीस कमेटी की बैठक हुई आयोजित
आगामी दीपावली,भैयादूज, चित्र गुप्त जयंती, तथा छठ पर्व को सकुशल सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने हेतु डीएम ने जनपदवासियों से किया अपील

किसान दिवसः सूखे से फसल क्षति पर मुआवज़े की मांग, विभागों को दिए गए सख्त निर्देश

देवरिया ।

जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक सुभाष मौर्य ने की। कार्यक्रम में जिलेभर से आए किसान भाइयों, किसान यूनियन के प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने कृषि से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला कृषि अधिकारी ने गत माह आयोजित किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी दी। किसान यूनियन प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर जनपद में सूखे से हुई फसल क्षति की भरपाई की मांग उठाई। इस पर जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि फसल बीमा कम्पनी एवं कृषि विभाग द्वारा सर्वे का कार्य कराया जा रहा है, और कटिंग रिपोर्ट के आधार पर पात्र किसानों को क्षतिपूर्ति राशि नियमों के अनुसार दी जाएगी। प्रगतिशील कृषक मारकण्डेय सिंह ने भलुअनी स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डार तक पहुंचने के मार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायत की। जिस पर उप कृषि निदेशक सुभाष मौर्य ने आश्वासन

दिया कि उप जिलाधिकारी के निर्देशन में शीघ्र ही कब्जा हटवाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों को यह भी बताया कि कृषि यंत्रों जैसे कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ड्रोन, इनसीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू जैसी योजनाओं के लिए 15 से 29 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल खुला है। इंजीनियर अतुल मिश्रा, मंडल प्रवक्ता, भारतीय किसान यूनियन ने सुझाव दिया कि किसान दिवस की आगामी बैठकों में खण्ड विकास अधिकारी को भी आमंत्रित किया जाए, ताकि विकास खंड स्तर की समस्याओं का समाधान तत्काल हो सके। पशु चिकित्साधिकारी ने किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसान गौशालाओं में पराली पहुंचाते हैं, तो उन्हें उसी अनुपात में खाद उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों से अपील की गई कि वे पराली जलाने की बजाय इसे गौशालाओं तक पहुंचाएं। बैठक में दुग्ध समितियों के प्रतिनिधियों ने बकाया भुगतान की समस्या उठाई, जिस पर प्रभारी डेयरी प्रबंधक ने बताया कि जिलाधिकारी की ओर से शासन को दो बार पत्र भेजा जा चुका है, बजट मिलते ही भुगतान कर दिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष (भा.कि.यू.) गिरीश नारायण शाही उर्फ बड़े शाही ने कहा कि जनपद में कई सरकारी प्रतिष्ठानों द्वारा बंजर और परती जमीनों का उपयोग किया जा रहा है, परंतु अब तक विभागों के नामांतरण नहीं किए गए हैं। इस पर मुख्य राजस्व अधिकारी ने सभी तहसीलों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में नामांतरण की कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। किसान दिवस की बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, अधिशासी अभियंता नहर, नलकूप, विद्युत विभाग देवरिया, गौरीबाजार एवं सलेमपुर, भूमि संरक्षण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, प्रभारी कृषि रक्षा अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निबंधक सहकारी समितियां, दुग्ध उत्पादक संघ के अधिकारी, तथा बड़ी संख्या में किसान नेता उपस्थित रहे। किसान नेताओं में प्रमुख रूप से गिरीश नारायण शाही (जिलाध्यक्ष, भा.कि.यू.), इंजीनियर अतुल मिश्रा (मंडल प्रवक्ता, भा.कि.यू.), कौशलेश नाथ मिश्रा (प्रदेश उपाध्यक्ष, भा.कि.यू.), रमेश मिश्रा (प्रगतिशील कृषक), सत्याग्रहण सरोज, मारकण्डेय सिंह और सदानंद यादव सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

खेल से होता है व्यक्तित्व का समग्र विकास : विनय

पडरौना, कुशीनगर।

- पडरौना की ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ
- खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व व सहयोग की भावना विकसित होती है : बीईओ

उच्च प्राथमिक विद्यालय मोतीललहा में बुधवार को पडरौना की दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल, बीईओ सुरेंद्र बहादुर सिंह व बीईओ नगर अमित चौहान ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर किया। छात्रों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत व मनमोहक प्रस्तुतियों से अतिथियों का मन मोह लिया। नपा अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल का भी जीवन में बड़ा महत्व है।

खेल से बालकों के मानसिक, सामाजिक व नैतिक मूल्यों का विकास होता है। बीईओ सुरेंद्र बहादुर सिंह व बीईओ अमित चौहान ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आज्ञा पालन, साहस, सहनशीलता व टीम भावना का विकास करती हैं। कार्यक्रम का संचालन शिवानंद मिश्र व रविंद्र पांडेय ने किया। प्रधानाध्यापक डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी व खो-खो जैसे खेलों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिला व्यायाम शिक्षक अनिल मिश्र, जूशिसं के जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत मणि त्रिपाठी, मंत्री कुंजेश्वर सिंह, राशैसं के जिला उपाध्यक्ष दिलीप पांडेय, अमरदीप शुक्ला, अनूप सिंह, मेहरुद्दीन अली, देवेंद्र मिश्र, राकेश पांडेय, राकेश यादव, पीताम्बर यादव, अनुपम त्रिपाठी, अरविंद मद्धेशिया, राजकुमार भास्कर, गीता चतुर्वेदी, शिवकुमार पांडेय, चंद्र प्रकाश दुबे, आलोक श्रीवास्तव, सुनील पांडेय, परशुराम तिवारी, आदित्य सिंह, मारकंडे प्रसाद व बृजकिशोर मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष का बीजेपी पर बड़ा आरोप, वोट चोरी रोकने के लिए पुलिस का...

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि वोट चोरी के खिलाफ चल रहे हस्ताक्षर अभियान की अपार सफलता से घबराई बीजेपी ने पुलिस का सहारा लेकर इसे रोकने की कोशिश की. नजफगढ़ जिले में आज यादव के नेतृत्व में अभियान चल रहा था, तभी पुलिस ने उन्हें समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को जबरन हिरासत में लेकर जाफरपुर थाने में डिटेन कर लिया. बाद में सभी को छोड़ दिया गया. कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने इसे गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर हुई कार्रवाई बताया और ऐलान किया, हम राहुल गांधी के बब्बर शेर है और डरने वाले नहीं है. देवेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा बीजेपी की वोट चोरी का सार्वजनिक खुलासा करने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली भर में यह हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं. अभियान को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है, जिससे बीजेपी डर गई है और सरकारी तंत्र व पुलिस का सहारा ले रही

है. नजफगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के हस्ताक्षर अभियान कर रहे कार्यकर्ताओं को गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर पुलिस ने हिरासत में लिया. हमसे राहुल गांधी के बब्बर शेर डरने वाले नहीं है. देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि आज नजफगढ़ जिले में वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लेने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने जबरन हिरासत में ले लिया. यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं को जाफरपुर थाने ले जाया गया, जहाँ उन्हें डिटेन रखा गया. यादव ने कहा कि बीजेपी का सत्ता हथियाने का हथियार वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्ण प्रदर्शन करके हस्ताक्षर अभियान चला रहे है. उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी हमारे शांतिपूर्ण तरीके से चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान पर पुलिस का सहारा लेकर दबाव डालने की कोशिश करेगी, तो हम रुकने वाले नहीं है. बीजेपी द्वारा सत्ता में रहते हुए सरकारी तंत्र का गलत इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है, चाहे पुलिस हो, सीबीआई हो या ईडी हो. बीजेपी डर में हमेशा विपक्षी दलों के खिलाफ या किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्रवाई करती रही है.

यादव ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने अभी सिर्फ दो विधानसभाओं में वोट चोरी के मकूल सत्ता के लिए बीजेपी के षड़यंत्र को उजागर किया गया है. उसके बाद राहुल गांधी द्वारा खुलासा होने से देश जिस तरह बीजेपी के खिलाफ एकजुट दिखाई दे रहा है, बीजेपी की नींव डगमगा गई है और राजधानी में पुलिस हस्ताक्षर अभियान को दबाने का काम कर रही है. कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने कहा कि वोट चोरी संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है, हम देश में हो रही संगठित वोट चोरी के खिलाफ आवाज को बुलंद करते रहेंगे. तानाशाह यह स्पष्ट जान ले, हम कांग्रेस के योद्धा है, हमने देश की आजादी के कुर्बानियां दी है. निरंकुश और अहंकारी बीजेपी सरकार जितना चाहे प्रताड़ित करके दमन कर ले, संवैधानिक मताधिकार की चोरी के खिलाफ हमारी आवाज को दबा नहीं सकती.कांग्रेस का यह अभियान राहुल गांधी के खुलासे पर आधारित है, जहां बीजेपी पर सत्ता के लिए वोट चोरी का आरोप लगाया गया. पार्टी का कहना है कि दिल्ली भर में अभियान को मिल रही सफलता से बीजेपी बौखला गई है.

तेजस्वी यादव का राघोपुर से नामांकन, लालू-राबड़ी भी रहे मौजूद, कहा- सरकार बनाकर बिहार को समृद्ध बनाएंगे

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को राघोपुर विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां उनका लक्ष्य हैट्रिक बनाना है। उन्होंने कहा कि वह न केवल सरकार बनाना चाहते है, बल्कि बिहार को समृद्ध भी बनाना चाहते है। इस दौरान लालू यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर की जनता ने मुझ पर दो बार भरोसा जताया है। यह तीसरी बार है जब मैंने राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल किया है। हमारा संकल्प है कि बिहार के हर परिवार में एक सरकारी नौकरी हो। हमें बिहार से बेरोजगारी मिटानी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें बिहार को आगे ले जाना है। हम न केवल अपनी सरकार बनाना चाहते हैं, बल्कि हम यह भी चाहते हैं कि बिहार समृद्ध बने। कुछ लोग दावा कर रहे थे कि मैं दो सीटों पर चुनाव लड़ूंगा। तेजस्वी यादव सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहे है। मैं राघोपुर से चुनाव लड़ रहा हूं और आगे भी लड़ता रहूंगा। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि अब जेडीयू को नीतीश कुमार चला रहे है। जेडीयू को ललन सिंह, संजय झा और विजय चौधरी चला रहे हैं। जेडीयू अब नीतीश कुमार के साथ नहीं रहीं। ये तीनों नेता भाजपा के हाथों बिक गए हैं और इन्होंने नीतीश कुमार को बर्बाद कर दिया है। राघोपुर निर्वाचन क्षेत्र ने अतीत में उनके माता-पिता को बिहार के मुख्यमंत्री चुना था। 35 वर्षीय तेजस्वी यादव ने वैशाली जिले के मुख्यालय हाजीपुर स्थित कलेक्ट्रेट में अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और माता राबड़ी देवी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

पूर्व उप-मुख्यमंत्री के साथ पाटलिपुत्र से सांसद और सबसे बड़ी बहन मीसा भारती और राज्यसभा सदस्य संजय यादव जैसे कई करीबी सहयोगी और परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। 20 साल बाद पार्टी की सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बड़ी संख्या में समर्थक सड़क के दोनों ओर खड़े थे, क्योंकि राजद नेताओं को पटना स्थित पार्टी सुप्रीमो के घर से हाजीपुर अनुमंडल कार्यालय तक 40 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने में कुछ घंटे लग गए। उल्लेखनीय है कि नामांकन दाखिल करने से पहले तेजस्वी ने रोड शो किया था और जिस कार में यादव अपने माता-पिता और बहनों के साथ यात्रा कर रहे थे, वह फूलों से ढकी हुई थी, जिसे समर्थक शुभकामनाओं के रूप में रास्ते में उन पर बरसा रहे थे।

राजस्थान बस अग्निकांड में 21 मौत, पहली एफआईआर दर्ज

राजस्थान।

कल जैसलमेर में थईयात गांव के पास हुई भयानक बस दुर्घटना में अब तक 21 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है और कई गंभीर घायल जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाजरत है। हादसे की भयावहता ऐसी कि कई शव बस के भीतर एक-दूसरे से चिपके मिले। ऐसे में शवों की पहचान को लेकर प्रशासन ने डीएनए जांच की व्यवस्था की है। मृतकों की पहचान के लिए उनके दो निकटतम परिजनों से डीएनए सैंपल लिए जाएंगे। इसके लिए महात्मा गांधी अस्पताल, जोधपुर के काटेज संख्या 4 एवं 5 और जवाहर अस्पताल, जैसलमेर के ट्रॉमा सेंटर में विशेष व्यवस्था की गई है। जैसलमेर बस हादसे में जिंदा जले पत्रकार राजेंद्र सिंह चौहान के बड़े भाई चंदन सिंह ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में मामला दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार, हादसे के लगभग 24 घंटे बाद यह पहली एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जिस बस में आग लगी, उसे कुछ दिन पहले ही

परमिट जारी किया गया था। बस RJ 09 PA 8040 नंबर की है। ट्रैवल कंपनी ने इस बस के प्रमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किए थे, जिसमें इसे लग्जरी और पूरी तरह सुरक्षित बताया गया था। बस हादसे के घायलों का इलाज महात्मा गांधी अस्पताल जोधपुर में चल रहा है। गंभीर रूप से 14 घायलों का उपचार बर्न यूनिट में हो रहा है। राजस्थान सरकार के मंत्री के के विश्नोई अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का प्रयास हो रहा है। पूरे घटनाक्रम की जांच हो रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस अग्निकांड को लेकर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच होगी। बस हादसे में मृतकों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं। जैसलमेर, जोधपुर के अलावा फलोदी में भी डीएनए सैंपल लिए गए है। फलोदी में एक वृद्ध महिला का सैम्पल लिया गया है। जयपुर से चार डीएनए एक्सपर्ट की टीम जोधपुर पहुंची है। 24 घंटे में ब्लड की रिपोर्ट के आधार पर शवों को परिवार वालों के सुपुर्द किया जाएगा।

दो-तीन मैरिज 75 और 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलसे

मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल बीएस जोधा ने बताया कि 10:00 बजे

आज 10 साल के बचे ने दम तोड़ा, अब भी 4 मरीज वेंटिलेटर पर

तक सभी मरीज यहां आ गए थे, जिसको जैसी जरूरत थी वैसी व्यवस्थाएं करके तीन मरीजों को तुरंत वेंटिलेटर पर लिया गया दो को ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ रखा गया है। दो-तीन मैरिज 75 और 80 प्रतिशत से ज्यादा है 5-6 मरीज 50 प्रतिशत से अधिक बर्न है। दूसरे बचे मरीजों में बर्न की संख्या थोड़ी कम है, जो व्यवस्था है सरकार के स्तर से मरीजों के लिए की जा रही है वह सभी कर ली गई है। आवश्यकता अनुसार और परिजनों के लिए भी व्यवस्थाएं की जा रही है कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है डीएनएस सैंपलिंग के लिए जयपुर और जोधपुर की टीम में लगी है। हमारा प्रयास है कि मरीज और परिजनों जो साथ आए हैं उन्हें कम से कम परेशानी हो।

दिल्ली-एनसीआर में अब पटाखों वाली दिवाली, सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन क्रैकर्स की इजाजत दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के त्योहार के लिए अस्थायी उपाय के तौर पर केवल 18-21 अक्टूबर तक हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी। यह अनुमति सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 8 बजे से 10 बजे के बीच दी गई है। आदेश की घोषणा करते हुए, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 14 अक्टूबर, 2024 के उस आदेश का हवाला दिया, जब दिल्ली सरकार ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था, जिसे बाद में पूरे एनसीआर में लागू कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, पर्यावरण से समझौता किए बिना संयमित रूप से अनुमति देनी होगी। एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हुए, न्यायालय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से समझौता किए बिना हरित पटाखों के सीमित उपयोग की अनुमति होगी। न्यायालय ने पुलिस अधिकारियों को गश्ती दल बनाने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल क्यूआर कोड वाले अनुमोदित पटाखे ही बेचे जाएं। इसने यह भी आदेश दिया कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के बाहर से आने वाले किसी भी पटाखे को इस क्षेत्र में अनुमति नहीं दी जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि नकली या अनधिकृत पटाखों का कारोबार करने वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए जाएं।

हरियाणा के आईपीएस पूरण कुमार का चंडीगढ़ में आठ दिन बाद अंतिम संस्कार, सरकार ने ली राहत की सांस

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरण कुमार का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। चंडीगढ़ के सेक्टर-25 में अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गई। इस दौरान श्मशानघाट के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात रहे। इससे पहले पीजीआई में उनके शव का पोस्टमार्टम किया गया। लगभग चार घंटे तक पोस्टमार्टम चला। उसके बाद शव को सेक्टर-24 स्थित सरकारी आवास पर लाया गया। सेक्टर 25 क्रिमेशन ग्राउंड में एडीजीपी वाई पूरण कुमार का अंतिम संस्कार किया गया। आईएएस पंकज अग्रवाल और आईएएस राज नारायण कौशिक सेक्टर-24 पहुंचे थे। पीजीआई चंडीगढ़ की तरफ से कहा गया है कि हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार का पोस्टमार्टम विधिवत गठित मेडिकल बोर्ड द्वारा सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट विशेष जांच दल (एसआईटी) के जांच अधिकारी को सौंपी जाएगी। पार्थिव शरीर सम्मानपूर्वक उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। एडीजीपी आत्महत्या मामले में नौ दिन बाद हरियाणा सरकार ने भी राहत की सांस ली है। 31 सदस्यीय कमेटी के सदस्य रेशम सिंह ने बताया कि सेक्टर 17 चंडीगढ़ से तय पैदल मार्च रद्द कर दिया गया है। इसके लिए मीटिंग करेंगे, फिर आगे का फैसला लेंगे। रेशम सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से परिवार को न्याय नहीं किया गया है, लेकिन सामाजिक और मानवता के नाते पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार का फैसला लिया गया है

निष्पक्ष जांच का आश्वासन

अमनीत पी कुमार की तरफ से कहा गया कि यूटी पुलिस द्वारा निष्पक्ष, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के आश्वासन और हरियाणा सरकार द्वारा आरोपी अधिकारियों के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्होंने पति के शव का पोस्टमार्टम कराने की सहमति दी है। समय पर पोस्टमार्टम के साक्ष्यगत महत्व और न्याय के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, गठित चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा, एक बैलिस्टिक विशेषज्ञ की उपस्थिति में, एक मजिस्ट्रेट की देखरेख में, और पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के साथ कराने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुझे न्यायपालिका और पुलिस अधिकारियों पर पूरा भरोसा है, और मुझे पूरी उम्मीद है कि जांच पेशेवर, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से की जाएगी, ताकि कानून के अनुसार सच्चाई सामने आ सके। जांच दल को मेरा पूरा सहयोग मिलता रहेगा ताकि प्रक्रिया में तेजी आए और जल्द से जल्द न्याय मिले। जांच जारी रहने के मद्देनजर, इस समय कोई और सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया जाएगा और मैं मीडिया से अनुरोध करती हूं कि वे मामले की संवेदनशीलता का सम्मान करें।

योगी का कड़ा संदेश : त्योहारों में शांति भंग करने वालों की जगह सिर्फ जेल में होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि त्योहारों के जश्न में खलल डालने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार 1 करोड़ 86 लाख उज्वला योजना लाभार्थियों को दिवाली उपहार के रूप में मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान कर रही है, जिससे उनकी सरकार का महिलाओं के कल्याण और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित होने की बात दोहराई जा रही है। सभा को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने कहा कि अगर कोई भी इस त्योहार के आनंद और उत्साह को बाधित करने की कोशिश करेगा, तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही होंगी; चाहे वे कोई भी हो, उन्हें बिना देर किए सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। त्योहारों और समारोहों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। पिछले आठ वर्षों में, उत्तर प्रदेश में हर समुदाय के सभी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए गए हैं... यह अब दंगाइयों के आगे झुकने वाली सरकार नहीं है। मुफ्त रसोई गैस

सिलेंडर वितरण कार्यक्रम में लाभार्थियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत सहायता प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और अपने कैबिनेट सहयोगियों सुरेश खन्ना, दिनेश शर्मा, संजय सेठ और महापौर सुषमा खर्कवाल का नाम लिया। उन्होंने दिवाली से पहले राज्य के 1 करोड़ 86 लाख लाभार्थियों को मुफ्त सिलेंडर वितरण को दिवाली का तोहफा बताया और 2021 में होली और दिवाली के अवसर पर साल में दो बार मुफ्त रसोई गैस उपलब्ध कराने के सरकार के फैसले को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य त्योहारों में सामूहिक भागीदारी और परिवारों को राहत पहुँचाना है, आपका पैसा ऐसे रसोई गैस पर खर्च होता है। उन्होंने आगे कहा कि साल में दो बार मुफ्त सिलेंडर देना एक लोक कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है ताकि जरूरतमंदों, गरीबों, दलितों और वंचितों तक लाभ पहुँचे, और इस बात पर जोर दिया कि पात्र लोगों को बिना किसी बाधा के ऐसी सुविधाएँ मिलनी चाहिए। राष्ट्रीय उज्वला योजना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार, 2014 से पहले किसी भी गरीब को यह योजना नहीं दी गई थी और इस योजना की पहुँच बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने आगे कहा कि 11 वर्षों में, 11 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर मिले है, जिनमें अकेले उत्तर प्रदेश में 1.86 करोड़ लोग शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना से उन परिवारों को राहत मिली है जो पहले लकड़ी, कोयले या मिट्टी के तेल से खाना पकाते थे, और कहा कि इसका लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला है।

पाकिस्तानी हमले में 12 अफगान नागरिकों की मौत, 100 घायल

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसक झड़पें जारी है। पाकिस्तान के नए हमले में अफगानिस्तान में 12 आम नागरिकों की मौत हुई है और 100 से ज्यादा घायल हुए है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान की तरफ से कंधार राज्य में स्पिन बोल्डक इलाके में हमला किया गया। वहीं पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को दावा किया कि उसने अफगान तालिबान के कई हमलों को नाकाम कर दिया और दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पों की अलग-अलग घटनाओं में 40 से ज्यादा अफगानियों को मार गिराया। अफगानिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उनके इलाकों में भारी हथियारों से गोलीबारी की और नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। यह हमले कंधार के स्पिन बोल्डक इलाके में किए गए, जिसके चलते 12 नागरिकों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए है। इस हमले के जवाब में अफगानिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई की। अफगानिस्तान का दावा है कि उनकी कार्रवाई में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए है और पाकिस्तान की कई चौकियों पर अफगानिस्तान ने कब्जा कर लिया है। अफगानिस्तान ने ये भी कहा है कि तबाह चौकियों पर तैनात पाकिस्तानी सेना के टैंक और हथियारों पर उनका कब्जा हो गया है। गौरतलब है कि स्पिन बोल्डक इलाका रणनीतिक रूप से बेहद अहम है और पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पहले भी इस इलाके में झड़पें हो चुकी है। मंगलवार रात में कुर्रम इलाके में भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सैनिकों में झड़पें हुईं। पाकिस्तान सेना ने आगे कहा कि स्थिति अभी भी बिगड़ रही है क्योंकि फितना अल ख्वारिज और अफगान तालिबान के ठिकानों पर और जमावड़ा लगने की खबरें है। फितना अल-ख्वारिज शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान द्वारा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए किया जाता है। पाकिस्तानी सेना ने कहा, अफगान तालिबान ने अपनी तरफ से पाकिस्तान-अफगान मैत्री द्वार को भी नष्ट कर दिया।

सोनम वांगचुक केस : अब 29 अक्तूबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने अपनी याचिका में संशोधन करने का फैसला किया है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए अब 29 अक्तूबर की तारीख तय की है। याचिका में गीतांजलि अंगमो ने सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में रखने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने पाया कि जोधपुर जेल के

जेलर ने जो हलफनामा दायर किया है, उसमें बताया गया है कि सोनम वांगचुक के बड़े भाई और वकील ने उनसे मुलाकात की है। गीतांजलि अंगमो की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वे अपनी याचिका में संशोधन करना चाहते है। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने मांग की कि सोनम वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ कुछ लिखित पंक्तियों की अदला-बदली करने की अनुमति मिलनी चाहिए। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। इससे पहले 6 अक्तूबर को शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और केंद्रशासित लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी किया था, लेकिन याचिका संबंधित कोई भी आदेश जारी नहीं किया था। वांगचुक को लद्दाख में हुई हिंसा के बाद 26 सितंबर को एनएसए कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी और 90 घायल हुए थे। एनएसए केंद्र और राज्यों को व्यक्तियों को भारत की सुरक्षा के खिलाफ काम करने के लिए हिरासत में लेने का अधिकार देता है।

बिहार चुनाव- जेडीयू की पहली लिस्ट, 57 कैंडिडेट्स के नाम

पटना।

जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, जिसमें अनंत सिंह जैसे प्रमुख नाम शामिल है।

इस सूची में उन 4 सीटों पर भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं जिन पर चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) दावा कर रही थी, जो एनडीए के भीतर रणनीतिक खींचतान को दर्शाती है। जेडीयू का यह कदम आगामी बिहार चुनाव 2025 की तैयारियों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में चल रही खींचतान के बीच, नीतीश

नीतीश ने चिराग की 5 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, 4 विधायकों के टिकट काटे

कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बुधवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 57 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिन पर चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने दावा किया था। आगामी चुनावों के लिए घोषित प्रमुख उम्मीदवारों में सोनबरसा से रत्नेश सदा, मोरवा से विद्यासागर निषाद, एकमा से धूमल सिंह और राजगीर से कौशल किशोर शामिल हैं।- राज्य सरकार में मंत्री विजय कुमार चौधरी सरायरंजन से चुनाव लड़ेंगे- आलमनगर से नरेंद्र नारायण यादव- बिहारीगंज से निरंजन कुमार मेहता - सिंहेश्वर से रमेश ऋषि देव - मधेपुरा से कविता साहा - महषी से गंधेश्वर साह - कुशेश्वरस्थान से अतिरेक कुमार अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में अनंत कुमार सिंह (मोकामा), श्याम रजक (फुलवारी), कौशल किशोर (राजगीर), धूमल सिंह (एकमा), महेश्वर हजारी (कल्याणपुर), रत्नेश सदा (सोनबरसा), संतोष कुमार

निराला (राजपुर), मदन सहनी (बहादुरपुर), श्री भगवान सिंह कुशवाहा (जगदीशपुर), कोमल सिंह (गायघाट) और विद्या सागर सिंह निषाद (मोरवा) शामिल है। इसके अतिरिक्त, जेडी(यू) ने चार निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिन पर पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का दावा था, जो एनडीए के भीतर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम का संकेत है। जेडीयू की लिस्ट के मुताबिक, सोनबरसा से रत्नेश सदा, मोरवा से विद्यासागर निषाद, एकमा से धूमल सिंह और राजगीर से कौशल किशोर को उम्मीदवार बनाया गया है। ये वो सीटें है जिनपर एलजेपी (रामविलास) दावा कर रही थी। इस सूची का जारी होना जदयू की चुनावी तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आगामी चुनावों में कड़ी टक्कर का मंच तैयार कर रहा है। उम्मीदवारों की पूरी सूची के बारे में और जानकारी आने वाले दिनों में जारी होने की उम्मीद है। जदयू सांसद संजय कुमार झा ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी महागठबंधन सीटों के बंटवारे पर फैसला नहीं ले पा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार से चुनाव प्रचार शुरू करने वाले है। संजय कुमार झा ने कहा कि पार्टी कुछ दिनों में अपनी दूसरी सूची जारी करेगी।

बीजेपी की दूसरी लिस्ट जारी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी। इनमें लोक गायिका मैथिली ठाकुर का नाम भी शामिल है, जो अलीनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। पार्टी ने बक्सर से पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा को भी टिकट दिया है।

यहां उम्मीदवारों की पूरी सूची है

- अलीनगर से मैथिली ठाकुर - हायाघाट से रामचंद्र प्रसाद - मुजफ्फरपुर से रंजन कुमार - गोपालगंज से सुभाष सिंह - बनियापुर से केदार नाथ सिंह - छपरा से छोटी कुमारी - सोनपुर से विनय कुमार सिंह - रोसड़ा से बीरेंद्र कुमार - बाढ़ से डॉ सियाराम सिंह - अगिआंव से महेश पासवान - शाहपुर से राकेश ओझा - बक्सर से आनंद मिश्रा।